अध्याय 21

रोज़गार और बेरोज़गारी

रोज़गार

बेरोजगारी की दर श्रम की आपूर्ति का पूरी तरह उपयोग न हो पाने का पैमाना है। यह ऐसे लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में अर्थव्यवस्था की असमर्थता को दर्शाता है जो काम तो करना चाहते हैं, मगर कर नहीं पा रहे हैं। हालांकि वे रोजगार के लिए उत्सुक हैं और इसे पाने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास भी कर रहे हैं। बेरोजगारी परिवारों की प्रयोज्य आय पर बुरा असर डालती है, क्रय शक्ति नष्ट करती है, कर्मचारियों का हौसला गिराती है और अर्थव्यवस्था में उत्पादन को घटा देती है। बेरोजगारी से व्यक्ति को अपनी पहचान और आत्मसम्मान गंवाना पड़ता है, परिवार की ओर से भारी तनाव और सामाजिक दबाव जैसे अनेक नकारात्मक मनोवैज्ञानिक दुष्परिणाम झेलने पड़ते हैं। बेराजगार व्यक्ति के लिए भविष्य में श्रम बाजार में अपनी स्थिति को लेकर भारी अनिश्चितता उत्पन्न हो जाती है। बेरोजगारी कम होने से सरकार के ऋण कम होते हैं और आर्थिक विकास तेज करने में मदद मिलती है। अगर बेरोजगारों को काम मिलता है तो वे आपनी आय को खर्च भी करते हैं, जिसका अच्छा गुणक प्रभाव पड़ता है जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है। रोजगार से आर्थिक प्रगति और विकास को बढ़ावा मिलता है। इससे श्रमिक उपयोगी वस्तु और सेवाएं उत्पादित करते हैं जिसके लिए उन्हें मजदूरी मिलती है जिसे वे उत्पादित सामान की खरीद में कर सकते हैं।

1.1 रोजगार और बेरोजगारी के विभिन्न घटकों, जैसे 'रोजगारशुदा', 'बेरोजगार,' 'श्रम शक्ति,' और 'श्रम शक्ति से बाहर' की व्याख्या नीचे की गयी है।

(क) **श्रमिक (या रोजगारशुदा)** : ऐसे लोग जो संदर्भित अवधि में किसी आर्थिक गतिविधि में लगे हैं या जो आर्थिक गतिविधियों में अपनी संलग्नता के बावजूद बीमारी, घायल होने, या किसी शारीरिक अक्षमता, खराब मौसम, त्योहार–उत्सव, सामाजिक या धार्मिक आयोजन या इसी तरह के किसी अन्य आकस्मिक कारण से काम पर उपस्थित नहीं हो सके हैं, श्रमिक की श्रेणी में आते हैं। पारिवारिक खेती या खेती से इतर आर्थिक गतिविधियों में बिना मजदूरी लिए मदद करने वालों को भी श्रमिक माना जाता है। सभी श्रमिकों को उनके काम के दायरे में आने वाली विभिन्न आर्थिक गतिविधियों से संबंधित कोई एक ऐसा नाम मोटे तौर पर दे दिया जाता है जिस आर्थिक गतिविधि में वे काम कर रहे या संलग्न माने जाते हैं।

(ख) **काम ढूंढ रहे या काम के लिए उपलब्ध (यानी बेरोजगार)** : ऐसे लोग जिन्होंने संदर्भित अवधि में काम की कमी के कारण कार्य नहीं किया लेकिन रोजगार कार्यालय, बिचौलियों, मित्रों, रिश्तेदारों या संभावित नियोक्ता से आवेदन करके काम धंधा ढूढने की कोशिश की है या मौजूदा कामकाजी हालात और मजदूरी पर काम करने की दिलचस्पी या अपनी उपलब्धता व्यक्त की है, उन्हें भी 'काम खोज रहे या काम के लिए उपलब्ध' (यानी बेरोजगार) माना जाता है।

(ग) **श्रम शक्ति** : ऐसे लोग जो संदर्भित अवधि में 'काम कर रहे हैं' (यानी रोजगारशुदा) या 'काम ढूंढ़ रहे है या काम के लिए उपलब्ध हैं' (यानी बेरोजगार) मिलकर श्रमशक्ति का निर्माण करते हैं।

(घ) **श्रम शक्ति से बाहर** : ऐसे लोग जो विभिन्न कारणों से संदर्भित अवधि में न तो 'काम में लगे हैं' और न 'काम खोज रहे हैं या इसके लिए उपलब्ध हैं' 'श्रमशक्ति से बाहर' माने जाते हैं। इस श्रेणी में आने वाले लोगों में विद्यार्थी, घरेलू काम करने वाले लोग, पट्टे पर काम करने वाले, पेंशनर, प्रेषण से प्राप्त धनराशि पर निर्वाह करने वाले, भिक्षावृत्ति करने वाले, दुर्बल और दिव्यांगजन, बहुत छोटे बच्चे या बहुत वृद्ध लोग, वेश्यावृत्ति में लगे लोग आदि, और बीमारी की वजह से काम नहीं कर रहे आकस्मिक श्रमिक इस श्रेणी के अंतर्गत आते हैं।

1.2 2001 की जनगणना के अनुसार दिल्ली की जनसंख्या 138.50 लाख थी। 2011 की जनगणना में यह बढ़कर 167.88 लाख हो गई। इससे पता चलता है कि 2001 से 2011 के बीच दिल्ली की जनसंख्या औसतन 2.12 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से बढ़ी है। इसी अवधि में दिल्ली की कुल जनसंख्या में कामगारों का अनुपात भी 0.46 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। 1981–2011 के दौरान समूचे भारत में और दिल्ली में कुल जनसंख्या तथा श्रमिक जनसंख्या और गैर–श्रमिक जनसंख्या के बारे में जानकारी विवरण 21.1 में दी गई है।

विवरण 21.1
भारत और दिल्ली में रोजगार और बेरोजगार 1981–2011

(लाख में)

क्र. स.	विवरण	1981		1991		2001		2011	
		भारत	दिल्ली	भारत	दिल्ली	भारत	दिल्ली	भारत	दिल्ली
1.	कुल कामगार	2446.04 (35.70)	20.02 (32.19)	3141.30 (37.11)	29.80 (31.63)	4023.60 (39.11)	45.45 (32.82)	4818.90 (39.79)	55.87 (33.28)
2.	गैर कागगार	4405.81 (64.30)	42.18 (67.81)	5322.61 (62.89)	64.41 (68.37)	6262.51 (60.89)	93.05 (67.18)	7289.7 (60.21)	112.00 (66.72)
3.	**कुल जनसंख्या**	6851.85 (100.00)	62.20 (100.00)	8463.91 (100.00)	94.21 (100.00)	10286.11 (100.00)	138.50 (100.00)	12108.6 (100.00)	167.87 (100.00)

स्रोत : भारत की जनगणना, 1981, 1991, 2001 और 2011

नोट : कोष्ठक में दिए आंकड़े कुल जनसंख्या के प्रतिशत को दर्शाते है

1.3 विवरण 21.1 से पता चलता है कि 1981 में दिल्ली में कामधंधे में लगे लोगों का प्रतिशत 32.19 प्रतिशत था जो 1991 में घटकर 31.63 प्रतिशत और 2001 में मामूली बढ़कर 32.82 प्रतिशत और अब 2011 में बढ़ कर 33.28 प्रतिशत हो गया है। 1981–2011 के दौरान दिल्ली में रोजगार में लगे लोगों की संख्या में 5.96 प्रतिशत वार्षिक की दर से वृद्धि हुई जबकि बेरोजगारों की संख्या में 5.51 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर्ज हुई। इसी अवधि में राष्ट्रीय स्तर पर, जहां श्रमिकों की वृद्धि गैर–श्रमिकों से अधिक थी, और वार्षिक अंतराल 1.05 प्रतिशत था। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि राष्ट्रीय स्तर पर और दिल्ली में, दोनों जगह रोजगार में लगे लोगों की हिस्सेदारी बढ़ी है। चूंकि दिल्ली देश के पूर्ण शहरीकरण वाले राज्यों में से है, इसलिए रोजगार में लगे लोगों और बेरोजगारों की वृद्धि दर राष्ट्रीय स्तर की दर से ज्यादा है। इसी अवधि में जनसंख्या बढ़ने के साथ साथ दिल्ली में रोजगार में लगे और बेरोजगार लोगों का प्रतिशत योगदान भी बढ़ा। 1981–2011 के दौरान दिल्ली और भारत में रोजगार में लगे और बेरोजगार लोगों की संख्या में वृद्धि का ब्यौरा विवरण 21.2 में दिया गया है।

विवरण 21.2
भारत और दिल्ली में रोजगार में लगे और बेरोजगार लोगों की संख्या में वृद्धि 1981–2011

क्र. स.	विवरण	1981-91		1991-2001		2001-2011		1981-2011	
		भारत	दिल्ली	भारत	दिल्ली	भारत	दिल्ली	भारत	दिल्ली
1.	श्रमिक								
	क. पूर्ण वृद्धि (लाख)	695.26	9.78	882.30	15.65	795.3	10.42	2372.8	35.85
	ख. वृद्धि (प्रतिशत)	28.42	48.85	28.09	52.5	19.7	22.9	97.0	179.0
2.	गैर–श्रमिक								
	क. पूर्ण वृद्धि (लाख)	916.80	22.23	939.90	28.64	1027.19	18.95	2883.8	69.82
	ख. वृद्धि (प्रतिशत)	20.81	52.70	17.66	44.47	16.40	20.36	65.45	165.5
3.	कुल								
	क. पूर्ण वृद्धि (लाख)	1612.06	32.01	1822.20	44.29	1822.49	29.37	5256.75	105.67
	ख. वृद्धि (प्रतिशत)	23.53	51.46	21.53	47.01	17.7	21.2	76.7	169.88

स्रोत : भारत की जनगणना 1981, 1991, 2001 और 2011

1.4 जनगणना के अनुसार मुख्य श्रमिक वे थे जो वर्ष के दौरान 183 दिनों (या 6 महीने) या ज्यादा के लिए आर्थिक दृष्टि से किसी उत्पादक गतिविधि में लगे हुए थे। सीमान्त श्रमिक वे थे जो वर्ष में 183 दिन (या छह महीने) से भी कम अवधि तक ही काम पाते थे। आमतौर पर श्रमिक वर्ग में मुख्य और सीमान्त, दोनों ही प्रकार के श्रमिक शामिल हैं। पिछली छह जनगणना के दौरान श्रमिकों (मुख्य और सीमान्त दोनों) गैर श्रमिकों और दिल्ली की जनसंख्या के आंकड़े *विवरण 21.3* में दिए गए हैं।

विवरण 21.3
दिल्ली में श्रमिक, गैर–श्रमिक और जनसंख्या : 1961–2011

(संख्या)

क्र. स.	वर्ष	श्रमिक			गैर–श्रमिक	कुल जनसंख्या
		मुख्य	सीमान्त	कुल		
1.	1961	लागू नहीं	लागू नहीं	854451 (32.14)	1804161 (67.86)	2658612
2.	1971	लागू नहीं	लागू नहीं	1228397 (30.21)	2837301 (69.79)	4065698
3.	1981	1986399 (31.94)	15793 (0.25)	2002192 (32.19)	4218214 (67.81)	6220406
4.	1991	2968377 (31.51)	12084 (0.13)	2980461 (31.64)	6440183 (68.36)	9420644
5.	2001	4317516 (31.17)	227718 (1.65)	4545234 (32.82)	9305273 (67.18)	13850507
6.	2011	5307329 (31.61)	279720 (1.67)	5587049 (33.28)	11200892 (66.72)	16787941

स्रोत : भारत की जनगणना, 1961, 1971, 1981, 1991, 2001 और 2011
नोट : कोष्ठक में दिए आंकड़े कुल जनसंख्या के प्रतिशत को दर्शाते हैं।

1.5 विवरण 21.3 से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि दिल्ली की जनसंख्या का एक तिहाई हिस्सा ही बाकी दो तिहाई लोगों की भी देख–रेख करता है। इसे आमतौर पर श्रमिक वर्ग का निर्भरता बोझ कहा जाता है। उपरोक्त तालिका से यह भी देखा जा सकता है कि 1961 और 1971 की जनगणनाओं में मुख्य और सीमान्त श्रमिकों के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई और उन्हें केवल श्रमिकों के वर्गों में दिखाया गया है। पिछली जनगणना में दिल्ली में श्रमिकों की कुल संख्या का सर्वाधिक 5 प्रतिशत सीमांत श्रमिक के रूप में दर्शाए गए। 1961–2011 के दौरान दिल्ली में श्रमिकों, गैर–श्रमिकों और जनसंख्या के आंकड़े चार्ट 21.1 में दर्शाए गए हैं।

चार्ट 21.1

दिल्ली में श्रमिक एवं गैर श्रमिक और जनसंख्या : 1961–2011

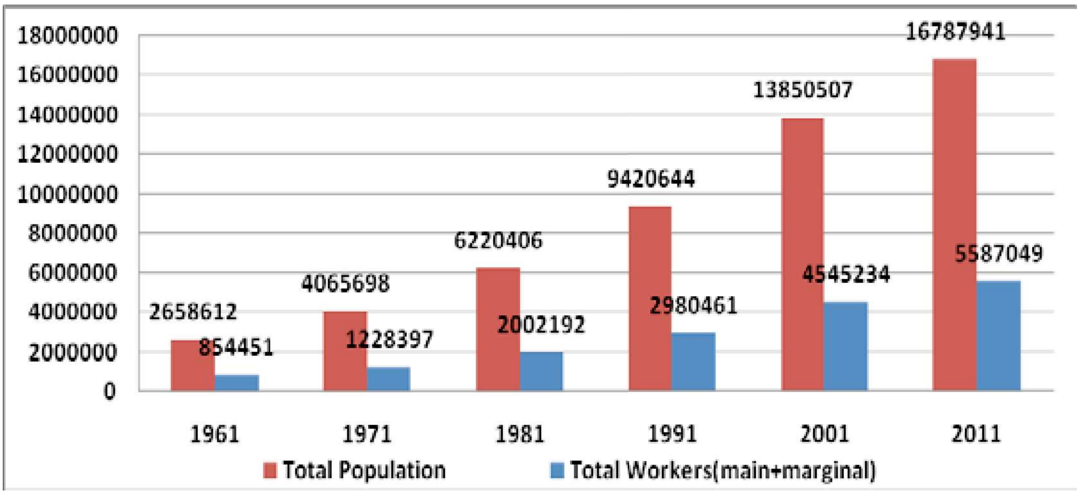

1.6 शहरीकृत क्षेत्रों में आमतौर पर यह देखा गया है कि प्राथमिक कृषि क्षेत्र में काम काम करने वाले लोगों का प्रतिशत बहुत ही कम है। दिल्ली में भी यही स्थिति दिखाई देती है जहां सेवा क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों का प्रतिशत अपेक्षाकृत अधिक है। 2011 में दिल्ली में श्रमिकों की श्रेणीवार जानकारी (मुख्य और सीमान्त दोनों प्रकार के श्रमिकों के बारे में) *विवरण 21.4* में दी गई है।

विवरण 21.4

दिल्ली में श्रमिकों की श्रेणीवार संख्या–2011

क्र.स	श्रमिकों की श्रेणी	श्रमिक (संख्या)			कुल श्रमिकों का प्रतिशत
		Male	Female	Total	
1.	कृषक	27458	5940	33398	0.60
2.	खेतिहर मज़दूर	31352	8123	39457	0.71
3.	घरेलू औद्योगिक श्रमिक	152758	29094	181852	3.25
4.	अन्य श्रमिक	4550458	781866	5332324	95.44
5.	कुल श्रमिक	4762026	825023	5587049	100.00

स्रोतः दिल्ली स्टैटिस्टिकल हैंडबुक; जनगणना 2011

1.7 विवरण 21.4 से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 2011 में कुल श्रमिकों में से महिला श्रमिकों का प्रतिशत कम था, दिल्ली में महिला श्रमिकों की संख्या लगभग 15 प्रतिशत थी। दिल्ली के श्रमिकों में बड़ा हिस्सा अन्य श्रमिकों का था जिनमें औद्योगिक तथा तृतीयक क्षेत्र की गतिविधियों में लगे श्रमिक शामिल थे, कुल श्रमिक संख्या में जिनकी भागीदारी 95 प्रतिशत थी। दिल्ली में श्रमिकों की श्रेणीवार जानकारी चार्ट 21.2 में दी गई है।

चार्ट 21.2

दिल्ली में श्रमिकों की श्रेणीवार संख्या–2011

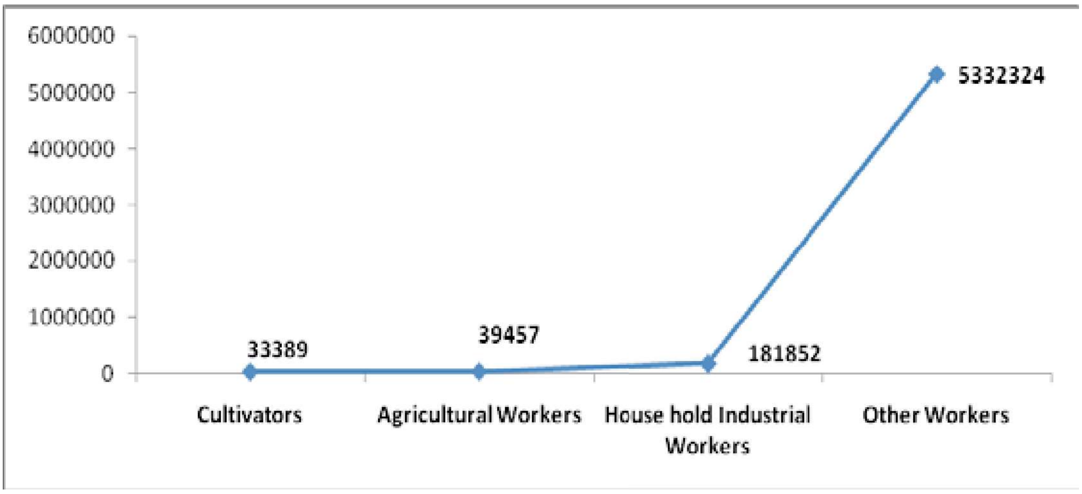

2. दिल्ली में रोजगार सर्वेक्षण :

2.1 राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (एनएसएसओ) अपने विभिन्न दौर के अध्ययनों के ज़रिये रोज़गार लगे और बेरोजगार, दोनों प्रकार की श्रमशक्ति के विशेष पहलुओं की जानकारी एकत्र करता है। एनएसएसओ के सर्वेक्षणों के विभिन्न दौर में दिल्ली के बारे में एकत्र जानकारी विवरण 21.5 में दर्शायी गई है।

विवरण 21.5

दिल्ली में रोजगार एनएसएसओ सर्वेक्षणों के दौर

(लाख)

क्र. स.	एनएसएसओ के दौर	अनुमानित आबादी	नियोजित व्यक्ति	कुल अनुमानित आबादी में नियोजित व्यक्तियों का प्रतिशत
1.	55वां दौर (जुलाई 1999–जून 2000)	132.98	38.94	29.28
2.	57वां दौर (जुलाई 2001–जून 2002)	139.50	41.75	29.93
3.	59वां दौर (जनवरी–दिसम्बर 2003)	148.28	45.49	30.68
4.	60वां दौर (जनवरी–जून 2004)	151.28	48.57	32.11
5.	61वां दौर (जुलाई 2004–जून 2005)	155.69	50.55	32.47
6.	62वां दौर (जुलाई 2005–जून 2006)	160.21	54.26	33.87
7.	64वां दौर (जुलाई 2007–जून 2008)	169.55	57.08	33.67
8.	66वां दौर (जुलाई 2009–जून 2010)	163.54	52.96	32.38
9.	68 वां दौर (जुलाई 2011–जून 2012)	170.89	57.06	33.39

स्रोत : अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय, रा.रा. क्षे. दिल्ली सरकार

2.2 विवरण 21.5 से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 1999–2000 में 55वें दौर के सर्वेक्षण के वक्त जहां दिल्ली में रोज़गार में लगे लोगों की अनुमानित संख्या 38.94 लाख थी, वहीं 2011–12 में 68वें दौर के सर्वेक्षण के समय यह बढ़कर 57.06 लाख हो गई। एनएसएसओ के 64वें और 66वें दौर के सर्वेक्षणों को छोड़कर अन्य सभी सर्वेक्षणों में दिल्ली की कुल जनसंख्या में रोजगार में लगे लोगों का प्रतिशत लगातार बढ़ा है और यह अंतर क्रमशः 0.2 प्रतिशत और 1.29 प्रतिशत रहा है। एनएसएसओ सर्वेक्षणों के अनुसार दिल्ली में रोजगार संबंधी जानकारी चार्ट 21.3 में दर्शायी गई है।

चार्ट 21.3

दिल्ली में रोजगार की स्थिति– एनएसएसओ अनुमानों के अनुसार

(लाख)

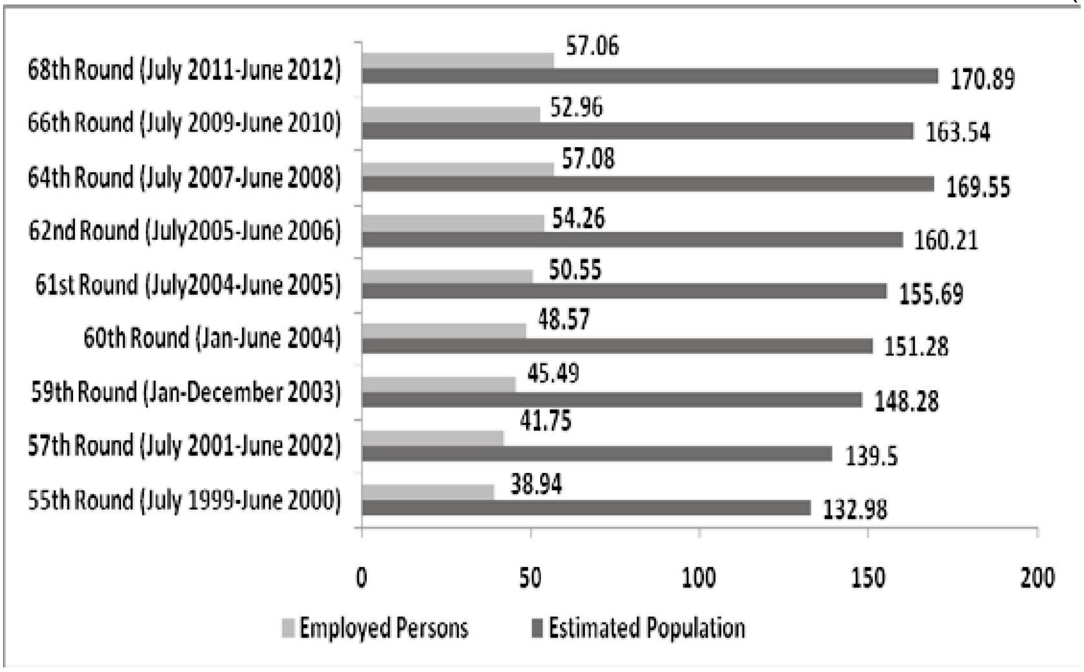

2.3 आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण संगठन

राष्ट्रीय सांख्यिकीय आयोग (एनएससी) की सिफारिश पर पहला आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण जुलाई 2017 से जून 2018 के दौरान किया गया था। दूसरा आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण जुलाई 2018 से जून 2019 और तीसरा जुलाई 2019 से जून 2020 के दौरान कराया गया। सर्वेक्षण का उद्देश्य श्रम शक्ति भागीदारी में गतिशीलता और रोजगार की स्थिति का आकलन करना था।

दिल्ली में 2019–20 के दौरान तीसरे आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण के रोजगार/बेरोजगार दर संबंधी नतीजे नीचे दिए गए हैं:

विवरण 21.6 (क)

दिल्ली में जुलाई 2019 से जून 2020 के दौरान अनुमानित क्षेत्रवार श्रम शक्ति भागीदारी दर, श्रमिक जनसंख्या अनुपात (सभी आयु वर्ग के लिए) प्रतिशत में

वर्ष	स्त्री/पुरुष	श्रम शक्ति भागीदारी दर			श्रमिक जनसंख्या अनुपात		
		दिल्ली			दिल्ली		
		ग्रामीण	शहरी	सभी	ग्रामीण	शहरी	सभी
2019-20	पुरुष	42.6	58.1	57.5	41.5	53.0	52.6
	स्त्री	14.6	12.7	12.8	14.6	11.4	11.5
	सभी	30.2	37.5	37.2	29.6	34.1	34.0

विवरण 21.6 (ख)

दिल्ली में जुलाई 2019 से जून 2020 के दौरान रोजगारी और बेरोजगारी दर (सभी आयु वर्ग के लिए) (दर प्रतिशत में)

क्र	श्रेणी	विवरण	पुरुष	महिलाएं	सभी
1.	रोजगारशुदा	शहरी	91.3	89.8	91.1
		ग्रामीण	97.5	100	98.0
		सभी	**91.5**	**90.2**	**91.3**
2.	बेरोज़गार	शहरी	8.7	10.2	8.9
		ग्रामीण	2.5	0.0	2.0
		सभी	**8.5**	**9.8**	**8.7**

स्रोतः राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

ऊपर दिये गये विवरणों में यह देखा जा सकता है कि दिल्ली में जुलाई 2019 से जून 2020 के दौरान अनुमानित रोजगार दर 91.3 प्रतिशत थी जिसमें से शहरी क्षेत्रों की दरं 91.1 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 98 प्रतिशत थी। इसके साथ ही यह भी देखा जा सकता है कि उक्त अवधि में दिल्ली में बेरोज़गारी की दर 8.7 प्रतिशत थी जिसमें शहरी क्षेत्रों में यह 8.9 तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 2.0 थी। इसके अलावा दिल्ली में पुरुषों में रोज़गार की दर 91.5 प्रतिशत थी जबकि महिलाओं में यह 90.2 प्रतिशत थी। इसी तरह दिल्ली में पुरुषों में बेरोज़गारी की दर 8.5 प्रतिशत थी जबकि महिलाओं में यह 9.8 प्रतिशत थी।

3. दिल्ली में संगठित क्षेत्र में रोजगार

3.1 देश का राजधानी शहर होने के नाते, लगभग सभी सरकारी कार्यालय दिल्ली में स्थित हैं। इस तरह सरकारी क्षेत्र में रोजगार के प्रचुर अवसर उपलब्ध हैं। प्रत्याशी सभी उपलब्ध रोजगारों में से अपनी पसंद के प्रशासनिक, वित्तीय, प्रबंधन और कार्यपालक स्तर के व्यवसायों का चयन करते हैं। इन व्यवसायों में अत्यंत आकर्षक पारिश्रमिक भी दिया जाता है।

3.2 दिल्ली में निजी क्षेत्र ने भी वैश्विक प्रतिस्पर्धियों की तरह अपनी ताकत दिखानी शुरू कर दी है। कठिनाइयों के बावजूद इस क्षेत्र में बढ़ते अवसरों ने उम्मीदवारों को तरक्की, प्रतिष्ठा और उभरती हुई संभावनाओं को लेकर जोश जगाया है। दिल्ली में लगभग सभी प्रमुख उद्योगों में रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं, जो स्वास्थ्य देखभाल, औषधि निर्माण, मीडिया, मनोरंजन, सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सेवाओं, सेवा संबंधी विभिन्न प्रकार की अन्य गतिविधियों आदि से सम्बद्ध हैं। बड़ी औद्योगिक कंपनियों ने दिल्ली में अपने प्रचालन सक्षमतापूर्वक संचालित करने के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यालय/केंद्र स्थापित किये हैं। दिल्ली में पिछले एक दशक में संगठित क्षेत्र में रोजगार के बारे में सूचना विवरण 21.7 में दी गई है।

विवरण 21.7
दिल्ली में संगठित क्षेत्र में रोजगार

(लाख में)

क्र सं	वर्ष	सार्वजनिक क्षेत्र					निजी क्षेत्र	कुल
		केंद्रीय	दिल्ली सरकार	अर्द्ध सरकारी	स्थानीय निकाय	उप–जोड़		
1.	2008-09	2.03	1.27	1.79	0.83	5.92	2.51	8.43
2.	2010-11	2.03	1.26	1.81	0.83	5.93	2.46	8.39
3.	2011-12	2.02	1.31	1.60	0.82	5.75	1.91	7.66
4.	2012-13	1.96	1.30	1.31	0.82	5.39	2.31	7.70
5.	2013-14	2.02	1.31	1.46	0.83	5.62	2.85	8.47
6.	2014-15	2.02	1.31	1.59	0.82	5.74	1.99	7.73
7.	2015-16	1.85	1.31	1.60	0.82	5.58	1.99	7.57
8.	2016-17	1.85	1.31	1.60	0.82	5.58	1.96	7.54
9.	2017-18	2.03	1.31	1.78	0.82	5.94	2.73	8.67
10.	2018-19	2.03	1.31	1.78	0.82	5.94	2.73	8.67

स्रोत : रोजगार निदेशालय, रा.रा.क्षेत्र. दिल्ली सरकार

3.3 विवरण 21.7 से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि दिल्ली में पिछले दशक के दौरान संगठित क्षेत्र में रोजगार में 2.84 प्रतिशत सालाना की सकारात्मक वृद्धि दर देखी गई है। इसी अवधि के दौरान निजी क्षेत्र के रोजगार में सालाना 8.76 प्रतिशत की सकारात्मक बढ़ोतरी दिखाई देती है। सार्वजनिक क्षेत्र, विशेष रूप से केंद्र सरकार, अर्द्ध सरकारी उपक्रमों और स्थानीय निकायों में भी रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी का रुझान देखा गया, जबकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के अंतर्गत रोजगार के अवसरों में सकारात्मक वृद्धि दिखाई दी और ये 2008–09 के 1.27 लाख से बढ़कर 2018–19 में 1.31 लाख हो गए। यानी रोजगार के अवसरों में 3.14 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई। दिल्ली में 2018–19 के दौरान संगठित क्षेत्र के बारे में जानकारी चार्ट 21.4 में दर्शायी गई है।

चार्ट 21.4

दिल्ली में 2018–19 के दौरान संगठित क्षेत्र में रोजगार

(लाख)

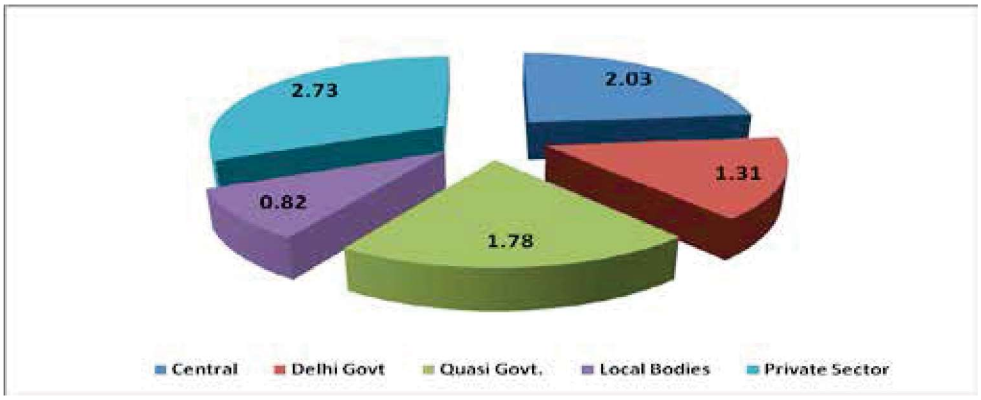

4. दिल्ली में बेरोजगारी की स्थिति

4.1 आमतौर पर उस व्यक्ति को बेरोजगार माना जाता है जो काम करने के लिए सक्षम और तैयार हो लेकिन जिसे उपयुक्त काम न मिल पाए। बेरोजगारी की दर का आकलन बेरोजगार श्रमिकों की संख्या को बेरोजगार और रोजगारशुदा, दोनों ही तरह के श्रमिकों की कुल संख्या (यानी काम करने के इच्छुक और पारिश्रमिक के लिए काम करने में सक्षम) से भाग देकर किया जाता है अथवा बेरोजगारी दर का अर्थ होता है श्रम शक्ति के प्रति 1000 व्यक्तियों में से बेरोजगार लोगों की संख्या। व्यवहार में काम खोजने वाले बेरोजगार लोगों की असल संख्या जान लेना वाकई बहुत कठिन कार्य है। बेरोजगार श्रमिकों की संख्या का पता लगाने के कई अलग–अलग तरीके हैं। हर तरीके की अपनी–अपनी प्राथमिकताएं हैं और विभिन्न देशों की अलग–अलग प्रणालियों की वजह से उनके बीच बेरोजगारी से जुड़े आंकड़ों की तुलना करना बड़ा कठिन होता है।

4.2 2009–2017 के दौरान रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोज़गारों के बारे में शैक्षिक आधार पर वर्गीकृत जानकारी विवरण 21.8 में दी गई है।

विवरण 21.8

दिल्ली में 2009–2017 में रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगारों का शैक्षिक आधार पर वर्गीकरण

(31 दिसम्बर को)

क्र.स.	शिक्षा	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017
1.	मैट्रिक से कम	51575	73259	91925	106362	128040	137158	147049	144774	149200
2.	मैट्रिक, हायर सेकेंडरी	297757	296047	389742	467479	495423	616019	656088	686859	703041
3.	स्नातक	50391	86394	113248	138683	158728	180021	195450	209762	236816
4.	स्नातकोत्तर	6050	14323	19249	24491	28167	31839	34033	36403	42242
5.	डिप्लोमा धारक	8766	23361	29139	37554	44934	52532	56576	60098	66588
6.	**कुल**	**414539**	**493384**	**643303**	**774569**	**855292**	**1017569**	**1083896**	**1137896**	**1197887**

स्रोतः दिल्ली स्टैटिस्टिकल हैंडबुक।

*नोटः * डिप्लोमा प्राप्त लोगों को पहले ही मैट्रिक और इंटरमीडिएट के तहत कवर किया जा चुका है, इसलिए उन्हें कुल जोड़ में शामिल नहीं किया गया है।*

4.3 उक्त विवरण से पता चलता है कि वर्ष 2017 में दिल्ली में रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोज़गारों में से 29 प्रतिशत की शैक्षिक योग्यता स्नातक या उससे अधिक थी। दिल्ली में रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोज़गारों में 71 प्रतिशत से अधिक की शैक्षिक योग्यता मैट्रिक या हायर सेकन्ड्री स्तर की थी। वर्ष 2017 की इसं जानकारी को चार्ट 21.5 में दर्शाया गया है।

चार्ट 21.5

दिल्ली में रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोज़गारों का शैक्षिक आधार पर वर्गीकरण: 2017

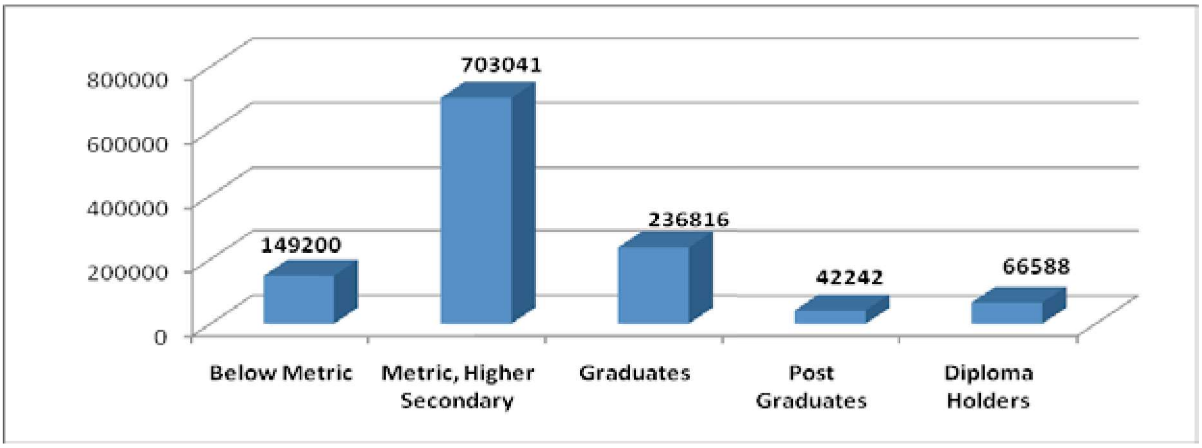

4.4 2007–17 की अवधि में रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार लोगों के व्यावसायिक आधार पर वितरण के बारे में जानकारी विवरण 21.9 में दी गई है।

विवरण 21.9

2007–2017 के दौरान दिल्ली के रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार लोगों का व्यावसायिक आधार पर वर्गीकरण

(31 दिसम्बर को)

क्र.	व्यवसाय	वर्ष										
		2007	2008	2009	2010	2011	2012	2013	2014	2015	2016	2017
1.	व्यावसायिक	83940	97246	54203	98567	165666	226292	276427	329233	360697	379683	398833
2.	प्रशासनिक	873	753	1117	1453	1897	2656	3429	4148	5008	5645	6365
3.	लिपिकीय	14775	16034	6669	49535	104390	171616	231735	296164	338049	363509	387534
4.	सेल्स या बिक्री	75	37	-	16933	29651	57247	87043	104047	119048	122604	126858
5.	किसान, मछुवारे, शिकारी आदि।	1182	2503	4480	6346	11963	14070	26758	30104	31692	33472	35278
6.	उत्पादन और सम्बद्ध व्यवसायी	31489	38401	13532	21428	30892	38389	44895	51061	56165	62263	66312
7.	सेवा कार्मिक	5542	5533	44929	64253	124008	169545	214020	251841	277283	294062	309021
8.	अकुशल श्रमिक	58341	58695	13693	17939	21536	24450	26782	29049	32033	34258	35415
9.	अवर्गीकृत	255278	287717	275906	216930	153300	70304	1691	1809	1834	1868	1915
	कुल	**451495**	**506919**	**414539**	**493384**	**643303**	**774569**	**912780**	**1097456**	**1221809**	**1297364**	**1367531**

स्रोत: दिल्ली स्टैटिस्टिकल हैंडबुक।

4.5 विवरण 21.9 से यह निष्कर्ष निकलता है कि दिल्ली के रोजगार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार लोगों की संख्या 2007 की 4.51 लाख से बढ़कर 2017 में 13.67 लाख हो गई। दिल्ली के रोजगार कार्यालयों में 2017 में पंजीकृत बेरोजगार व्यक्तियों का व्यावसायिक आधार पर वर्गीकरण चार्ट 21.6 में दर्शाया गया है।

चार्ट 21.6

2017 में दिल्ली के रोज़गार कार्यालयों में पंजीकृत बेरोजगार लोगों का व्यवसायवार वर्गीकरण

(संख्या)

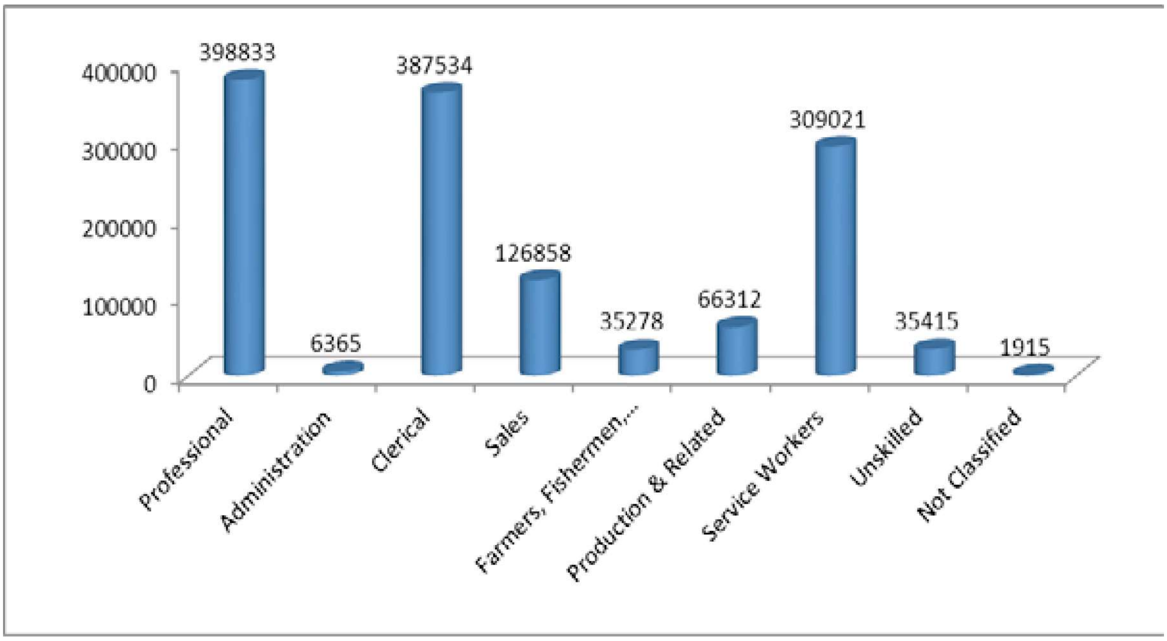

4.6 2001–2011 के दौरान राज्यवार जनसंख्या, श्रमिकों की संख्या, श्रमिकों का प्रतिशत और श्रमिकों की संख्या में वृद्धि तथा 1999–2012 के दौरान श्रमिकों और गैर श्रमिकों के आधार पर दिल्ली की जनसंख्या का विभाजन तथा दिल्ली में बेरोजगारी के बारे में जानकारी क्रमशः तालिका 21.1, 21.2, और 21.3 में दर्शायी गई है।